P- 324
L- 26
Social Justice

उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये गए प्रयास :

- विश्व विद्यालय अनुदान आयोग, AICTE तथा MIC के द्वारा उच्च शिक्षा का विनियमन एवं समन्वयन।
- केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के द्वारा विभिन्न राज्यों में 16 केन्द्रीय विश्व विद्यालय की स्थापना और 7 जनवरी 2019 को केन्द्रीय मंत्री मण्डल द्वारा पुनः 13 केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी। (जुलाई 2024 तक कुल 56 केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित)
- 2018 में 14 विश्व स्तरीय नवाचारी विश्व विद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव।
- 2010 में नालंदा विश्व विद्यालय अधिनियम पारित और 2014 में 7 देशों के साथ मिलकर नालंदा विश्वविद्यालय का पुनर्निर्माण प्रारम्भ।
- 2015 के बाद ढेर सारे IIT, NIT, IIIT, IIM और AIIMS की स्थापना।
- राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान परिषद 2013 के द्वारा, तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच समरूपता एवं समन्वय को बढ़ावा।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHANSIR

Scanned by CamScanner

- पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक तथा शिक्षण मिशन, 2015 द्वारा शिक्षक गुणवत्ता को बढ़ावा, 2018 में NTA का गठन तथा 2021 से CUET के द्वारा प्रवेश परीक्षा प्रणाली में समन्वय।
- जुलाई 2018 को 6 शैक्षणिक संस्थानों को चयन करके उनको विश्व स्तरीय संस्थान बनाने हेतु 1 हजार करोड़ का अनुदान।
- अप्रैल 2018 को भारत सरकार द्वारा (Study in India) प्रोग्राम और 3 अगस्त 2023 को 'Study in India' app लांच और इस कार्यक्रम के द्वारा भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों - से विदेशी विद्यार्थियों को पढ़ने का अवसर।
- NEP 2020 द्वारा उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर का बनाने हेतु व्यापक ढांचागत सुधार पर बल और बहुविषयक शिक्षा, बहुविषयक संस्थान एवं बहुविषयक विश्वविद्यालय पर बल फलतः इस दिशा में प्रयास प्रारम्भ।
- NEP 2020 के सुझाव पर देश में वैज्ञानिक अनुसंधान को वैश्विक स्तर प्रदान करने हेतु 2023 में National Research Foundation की स्थापना।

Scanned by CamScanner

- नवम्बर 2023 से UGC द्वारा भारत में विदेशी संस्थानों को अपना Campus खोलने हेतु दिशा निर्देश जारी।

- 29 अगस्त 2024 को UGC के दिशा निर्देश के तहत भारत द्वारा ब्रिटेन के 'साउथहैम्पटन' विश्व विद्यालय को भारत में अपना पहला Campus खोलने के लिए अनुमति पत्र जारी।

मूल्यांकन एवं सुझाव :-

- निश्चित रूप से उपरोक्त प्रयासों से भारत में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के विकास में प्रगति हुई है और पहले की तुलना में इस क्षेत्र में मात्रात्मक, गुणात्मक सुधार तथा शैक्षिक विषमता में कमी संभव हुई है।

परन्तु अभी भी हम निश्चित लक्ष्य से दूर हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों की विश्व रैंकिंग में Top 100 में भारत का एक भी संस्थान शामिल नहीं है। इसलिए आवश्यकता है कुछ सुझावों पर अमल करने की -

(i) उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्रों में मात्रात्मक एवं गुणात्मक सुधार किया जाए।

Scanned by CamScanner

(ii) मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को वैकल्पिक स्तर पर विकसित किया जाए और इस दिशा में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाये।

(iii) इस क्षेत्र में विद्यमान असंतुलन एवं असमानता को दूर किया जाए और समाज के वंचित समूहों को मुख्य शिक्षा के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाए।

(iv) संस्थागत ढाँचे को मजबूत किया जाए और विनियामक एवं प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को उन्नत बनाया जाए।

(v) समरूपता एवं समन्वयन की समस्या का समाधान किया जाए।

(vi) शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के नियंत्रित विकास एवं ऐप को बढ़ावा दिया जाए

(vii) विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के प्रवेश को तथा शिक्षा में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया जाए और शिक्षा को एक व्यावसायिक उद्यम के रूप में विकसित किया जाए।

Scanned by CamScanner

उच्च शिक्षा में विदेशी निवेश का मुद्दा

PDF Notes

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner